

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 'जयपुर मेट्रो फेज - 2' को स्वीकृति
2.	राजस्थान शिरोमणि सम्मान - 2026
3.	राजस्थान विधानसभा की वित्तीय समितियों के सभापति
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. जयपुर में 'इण्डियन फुटबाल लीग' का आयोजन 2. राजस्थान फ़िजियो समिट-2026 3. राजस्थान के 2 व्यक्तित्व 'राष्ट्रीय गुजरात गौरव अवॉर्ड - 2026' से सम्मानित 4. देश का पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का चर्म रोग (डर्मेटोलॉजी) संस्थान 5. IIT रुड़की का अध्ययन : राजस्थान के 2 शहर भू-जल संकट के मामले में "बेहद जोखिमपूर्ण" 6. श्यामसुंदर स्वामी : पैरा एशिया कप में दो पदक 7. अवधेश आकोदिया को 'दानिश सिद्दीकी जर्नलिज्म अवॉर्ड - 2026'
5.	पलक गुलिया और मुकेश नेलावल्ली
6.	माउंट सेमेरू
7.	मिशन मित्रा
8.	प्रधानमंत्री मुद्रा योजना : 11 वर्ष पूर्ण
9.	जैविक विविधता भंडारगृह
10.	भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता
11.	अंतरिक्ष यान मिशन संचालन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, SMOPS, 2026
12.	अभ्यास 'साइक्लोन-IV'
13.	INS सुदर्शिनी और एस्केल ए सेते उत्सव, 2026



राजस्थान परिदृश्य



केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 'जयपुर मेट्रो फेज - 2' को स्वीकृति



चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, प्रधामनमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण (Phase - II) को स्वीकृति प्रदान की।



मुख्य बिन्दु:

- कुल लागत : ₹13,037.66 करोड़ रुपये। (PIB के अनुसार)
- विस्तार : प्रह्लादपुरा से टोड़ी मोड़ तक कुल 36 मेट्रो स्टेशन होंगे।
- कुल लंबाई : 41 किलोमीटर द्वारा उत्तर-दक्षिण मेट्रो गलियारा निर्मित किया जाएगा।
- हिस्सेदारी : भारत सरकार और राजस्थान सरकार की 50:50 प्रतिशत।

--2--

Daily Current Affairs

Date : 09 April, 2026



- **कार्यान्वयन** : राजस्थान मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (RMRCL)
- **कार्यावधि** : सितंबर, 2031 तक पूरा करने का लक्ष्य।
- यह परियोजना राजस्थान सार्वजनिक परिवहन-केंद्रित विकास नीति-2025, प्रस्तावित महानगरीय परिवहन प्राधिकरण सुधार और राष्ट्रीय सतत शहरी परिवहन उद्देश्यों के अनुरूप है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन का चरणबद्ध विस्तार (राजस्थान आर्थिक समीक्षा - 2025-26)

चरण	विवरण	लागत	वित्त पोषण
चरण-1A (मानसरोवर से चाँदपोल तक)	संचालन - 3 जून, 2015 से।	₹2023 करोड़।	पूर्णतः राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित।
चरण-1B (चाँदपोल से बड़ी चौपड़)	संचालन - 23 सितम्बर, 2020 से। लंबाई - 2.01 किलोमीटर। नोट : निर्माण के दौरान शहर की विरासत को संरक्षित रखते हुये कार्य किया गया।	₹1126 करोड़	एशियाई विकास बैंक (ADB) से ₹810 करोड़ का ऋण, शेष राजस्थान सरकार द्वारा।
चरण-1C (बड़ी चौपड़ से ट्रांसपोर्ट नगर)	दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा DPR तैयार कर दी गई है।	₹1511.07 करोड़	राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RMRCL) द्वारा क्रियान्वित की जाएगी। (मेट्रो रेल नीति 2017 के 50:50 जॉइंट वेंचर मॉडल के तहत)

--3--

Daily Current Affairs

Date : 09 April, 2026



चरण-1D (मानसरोवर से 200 फीट बाईपास अजमेर रोड)	दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा DPR तैयार कर दी गई है। परियोजना कार्यान्वयन हेतु कार्य प्रगति पर है।	₹222.15 करोड़	राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RMRCL) द्वारा क्रियान्वित की जाएगी। (मेट्रो रेल नीति 2017 के 50:50 जॉइंट वेंचर मॉडल के तहत)
चरण-2 (प्रह्लादपुरा से टोड़ी मोड़)	जयपुर मेट्रो ने यातायात एवं परिवहन परामर्शदाता के रूप में मैसर्स राइट्स लिमिटेड को नियुक्त किया है। फेज-2 (प्रहलादपुरा /सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र/हल्दीघाटी मार्ग/हवाई अड्डा/अंबाबाड़ी/विद्याधर नगर/टोंक रोड) हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) मैसर्स राइट्स लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत की गई है।	₹13532.92 करोड़	राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RMRCL) द्वारा क्रियान्वित की जाएगी। (मेट्रो रेल नीति 2017 के 50:50 जॉइंट वेंचर मॉडल के तहत)

--:4:--

राजस्थान शिरोमणि सम्मान - 2026



चर्चा में क्यों?

- जयपुर स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में हाल ही में 'राजस्थान शिरोमणि सम्मान - 2026' समारोह आयोजित किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- यह समारोह राजस्थान के पूर्व मंत्री स्वर्गीय ललित किशोर चतुर्वेदी की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया गया।
- सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 12 विभूतियों को सम्मानित किया गया।
- कार्यक्रम की मुख्य अतिथि : उप-मुख्यमंत्री दिया कुमारी।

सम्मानित होने वाली 12 विभूतियां:

क्रम	सम्मानित व्यक्तित्व	ज़िला	संबंधित क्षेत्र
1.	अनिला कोठारी	जयपुर	लाइफ टाइम अचीवमेंट
2.	डॉ. ललित के. पंवार (पूर्व IAS)	बालोतरा	प्रशासनिक सेवा
3.	अवनी लेखरा	जयपुर	खेल
4.	पं. राजकुमार शर्मा	टोंक	आध्यात्म
5.	डॉ. विजय सरदाना	कोटा	चिकित्सा
6.	मनीष शर्मा	जयपुर	मीडिया
7.	उस्ताद अनवर खां मंगणियार	जैसलमेर	कला
8.	भारत सिंह राजपुरोहित	पाली	गौसेवा
9.	पूनम कुलरिया	बीकानेर	समाजसेवा
10.	प्रदीप कुमावत	उदयपुर	शिक्षा
11.	कमलेश शर्मा	करौली	व्यवसाय
12.	पं. रामकिशन	भरतपुर	राजनीति

राजस्थान विधानसभा की वित्तीय समितियों के सभापति

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा 8 अप्रैल, 2026 को 2026-27 के लिए चार प्रमुख वित्तीय समितियों का गठन किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- कार्यकाल : 31 मार्च, 2027 तक।

प्रमुख समितियाँ और उनके सभापति:

क्रम	समिति का नाम	सभापति	सदस्य
1.	लोकलेखा समिति	नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली	अनिता भदेल, अर्जुन लाल जीनगर, प्रमोद जैन "भाया", डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, अजय सिंह, रामकेश मीणा, चन्द्रभान सिंह चौहान, डॉ. सुरेश धाकड़, रफीक खान, रोहित बौहरा, गुरुवीर सिंह एवं गोपाल शर्मा।

Daily Current Affairs

Date : 09 April, 2026



2.	प्राक्कलन समिति "क"	संदीप शर्मा	प्रताप सिंह सिंघवी, शान्ती धारीवाल, समाराम, हरेन्द्र मिर्धा, छोटूसिंह, अर्जुन लाल, जीवाराम चौधरी, सुरेश मोदी, अमित चाचाण, मनोज कुमार (सादुलपुर) एवं विश्वराज सिंह मेवाड़।
3.	प्राक्कलन समिति "ख"	बाबूसिंह राठौड़	पुष्पेन्द्र सिंह, शंकरसिंह रावत, गोविन्द सिंह डोटासरा, हमीर सिंह भायल, पब्बाराम विश्रोई, समरजीत सिंह, मनोज कुमार (सुजानगढ़), अमीन कागजी, डॉ. सुभाष गर्ग एवं अरुण चौधरी।
4.	राजकीय समिति	उपक्रम कालीचरण सराफ	डॉ. दयाराम परमार, श्रवण कुमार, संजीव कुमार, हरिमोहन शर्मा, रीटा चौधरी, यूनुस खान, गोपाल लाल शर्मा, शत्रुधन गौतम, गोरधन, ललित मीना, अनिल कुमार शर्मा एवं डॉ. शैलेश सिंह।

--7--

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>जयपुर में 'इण्डियन फुटबाल लीग' का आयोजन</p> <ul style="list-style-type: none">राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने 7 अप्रैल, 2026 को जयपुर में 'इंडियन फुटबॉल लीग' (IFL) का उद्घाटन किया।आयोजन : विद्याधर नगर स्टेडियम और राजस्थान विश्वविद्यालय स्टेडियम।आयोजक : राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब (RUFC)
2.	<p>राजस्थान फ़िजियो समिट-2026</p> <ul style="list-style-type: none">आयोजन स्थल : जयपुर के बिरला सभागार में।आयोजन अवधि : 06 और 07 अप्रैल, 2026विषय : "फिजियोथेरेपी से फिजियोपैथी" (Physiotherapy to Physiopathy)।
3.	<p>राजस्थान के 2 व्यक्तित्व 'राष्ट्रीय गुजरात गौरव अवॉर्ड - 2026' से सम्मानित</p> <ul style="list-style-type: none">जयपुर निवासी डॉ. दौलत राम माल्या और उनकी पत्नी ज्योति माल्या को 'राष्ट्रीय गुजरात गौरव अवॉर्ड, 2026' से सम्मानित किया गया।आयोजन स्थल : गुजरात के वलसाड में 'हर्टफुलनेस सेन्टर' में।यह पुरस्कार 'दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान न्यास' और 'धराधाम इन्टरनेशनल' द्वारा प्रदान किया गया।
4.	<p>देश का पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का चर्म रोग (डर्मेटोलॉजी) संस्थान</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, जयपुर स्थित सवाई मानसिंह (SMS) अस्पताल के चरक भवन में भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर के 'इंस्टीट्यूट ऑफ डर्मेटोलॉजी' (चर्म रोग संस्थान) का उद्घाटन किया गया।लंदन के बाद यह विश्व का दूसरा सबसे एडवांस एवं उत्कृष्ट संस्थान है, जो डर्मेटोलॉजी के क्षेत्र में उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध करवाएगा।उल्लेखनीय है कि SMS अस्पताल में उच्च स्तरीय हृदय रोग सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियो वेस्कुलर साइंसेज विकसित किया गया है।

5.	<p>IIT रुड़की का अध्ययन : राजस्थान के 2 शहर भू-जल संकट के मामले में "बेहद जोखिमपूर्ण"</p> <ul style="list-style-type: none">■ IIT रुड़की के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक हालिया अध्ययन के अनुसार, राजस्थान के जयपुर और जोधपुर को भू-जल संकट के मामले में "बेहद जोखिमपूर्ण" (Extremely Vulnerable) श्रेणी में रखा गया है।■ शोधकर्ताओं ने देश के 54 प्रमुख शहरों (जिनकी आबादी 10 लाख से अधिक है) का विश्लेषण किया, जिसमें 1996 से 2023 के बीच के आँकड़ों का उपयोग किया गया है।■ कोटा शहर को "संकटग्रस्त" (Critical) श्रेणी में शामिल किया गया है।
6.	<p>श्यामसुंदर स्वामी : पैरा एशिया कप में दो पदक</p> <ul style="list-style-type: none">■ बीकानेर के श्यामसुंदर स्वामी ने चीनी ताइपे में आयोजित पैरा एशिया कप में कुल दो मेडल (एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज) जीते।■ टीम स्पर्धा (गोल्ड) : तोमन कुमार के साथ टीम इवेंट में स्वर्ण पदक।■ व्यक्तिगत स्पर्धा (ब्रॉन्ज) : इंडिविजुअल कैटेगरी में कांस्य पदक।
7.	<p>अवधेश आकोदिया को 'दानिश सिद्दीकी जर्नलिज्म अवॉर्ड - 2026'</p> <ul style="list-style-type: none">■ दैनिक भास्कर के अवधेश आकोदिया (जयपुर) को राजस्थान में विधायक निधि (MLA-LAD) में भ्रष्टाचार को उजागर करने वाली रिपोर्टिंग के लिए 'दानिश सिद्दीकी जर्नलिज्म अवॉर्ड - 2026' से सम्मानित किया गया।■ पुलित्जर पुरस्कार विजेता दिवंगत फोटो जर्नलिस्ट दानिश सिद्दीकी की स्मृति में 'दानिश सिद्दीकी फाउंडेशन' (DSF) द्वारा यह सम्मान उन पत्रकारों को दिया गया, जिन्होंने सत्यनिष्ठा और साहस के साथ प्रभावशाली रिपोर्टिंग की है।

राष्ट्रीय परिदृश्य

पलक गुलिया और मुकेश नेलावल्ली

चर्चा में क्यों?

- स्पेन के ग्रेनाडा में आयोजित ISSF विश्व कप, 2026 में भारतीय निशानेबाज पलक गुलिया और मुकेश नेलावल्ली ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में एक नया जूनियर विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता।



मुख्य बिन्दु:

- **रिकॉर्ड:** फाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने कुल 487.7 अंक हासिल किए, जो इस साल की शुरुआत में नई दिल्ली में आयोजित एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में उज्बेकिस्तान की निगीना सैदकुलोवा और मुहम्मद कमालोव द्वारा बनाए गए 481.3 अंकों के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

--:10:--

Daily Current Affairs

Date : 09 April, 2026



पदक	विजेता	अंक
स्वर्ण	भारतीय टीम (पलक गुलिया और मुकेश नेलावल्ली)	487.7
रजत	चीन की टीम (याओ कियानशुन और हू कार्डी)	484.8
कांस्य	हंगरी की टीम	414.9

- **पलक गुलिया:** 18 वर्षीय पलक ने इससे पहले 2023 एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण और टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था।
 - **मुकेश नेलावल्ली:** यह ISSF विश्व कप में नेलावल्ली का पहला पदक था और जूनियर विश्व चैंपियन है।
- ISSF विश्व कप ग्रेनाडा, 2026:**
- **आयोजन:** 6 से 13 अप्रैल, 2026 तक स्पेन के ग्रेनाडा में आयोजित किया जा रहा है।
 - **आयोजक:** अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (ISSF)।

-:11:-



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भूगोल एवं भू-विज्ञान

माउंट सेमेरू

चर्चा में क्यों?

- इंडोनेशिया के सबसे ऊँचे और सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक, माउंट सेमेरू में कई बार विस्फोट हुआ।



मुख्य बिन्दु:

- **उपनाम:** महामेरू (महान पर्वत)/ "द ग्रेट माउंटेन"
- **अवस्थिति:** पूर्वी जावा, इंडोनेशिया।
- **प्रकार:** एक सक्रिय वल्कैनियन और स्ट्रैटोवोलकानो (मिश्रित ज्वालामुखी) है।
- **विस्फोट का कारण:** यह प्रशांत महासागर के अग्नि-वलय पर स्थित है, जहाँ इंडो-ऑस्ट्रेलियाई प्लेट सुंडा प्लेट (जो कि यूरेशियन प्लेट का हिस्सा है) के नीचे धंस जाती है।
 - माउंट सेमेरू सबडक्शन ज़ोन ज्वालामुखी गतिविधि का परिणाम है।
 - जैसे-जैसे प्लेट नीचे उतरती है, पानी और वाष्पशील पदार्थ निकलते हैं, जिससे ऊपर स्थित मेंटल का गलनांक कम हो जाता है और मैग्मा बनता है।

--:12:--

- **अन्य विशेषताएँ:** यह जावा द्वीप की सबसे ऊँची चोटी है और स्थानीय संस्कृति में एक पवित्र स्थल है तथा यह टेंगर मासिफ का हिस्सा है।
- **ऊँचाई:** समुद्र तल से 3,676 मीटर
- **इंडोनेशिया में अन्य हालिया ज्वालामुखी विस्फोट :** माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी, मेरापी ज्वालामुखी आदि।
- **अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:**
- **इंडोनेशिया में ज्वालामुखी:** इंडोनेशिया में विश्व के सक्रिय ज्वालामुखियों की सर्वाधिक संख्या होने के साथ-साथ इसके पैसिफिक रिंग ऑफ फायर (Pacific's Ring of Fire) में अवस्थित होने के कारण यहाँ भूकंपीय उथल-पुथल का खतरा भी बना रहता है।
- **पैसिफिक रिंग ऑफ फायर:**



Daily Current Affairs

Date : 09 April, 2026



- **उपनाम:** सर्कम-पैसिफिक बेल्ट
- **परिचय:** सक्रिय ज्वालामुखियों और लगातार आने वाले भूकंपों के कारण प्रशांत महासागर में निर्मित एक मार्ग है।
- **लंबाई:** लगभग 40,000 किलोमीटर
- यह प्रशांत, कोकोस, भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई, नाज़का, उत्तरी अमेरिकी और फिलीपीन प्लेट्स सहित कई टेक्टोनिक प्लेटों के मध्य एक सीमा का निर्धारण करती है।
- पृथ्वी के 75% ज्वालामुखी यानी 450 से अधिक ज्वालामुखी रिंग ऑफ फायर के किनारे स्थित हैं।
- पृथ्वी के 90% भूकंप इसके क्षेत्र में आते हैं, जिसमें पृथ्वी की सबसे हिंसक और नाटकीय भूकंपीय घटनाएँ शामिल हैं।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

-:14:-

योजनाएँ एवं नीतियाँ

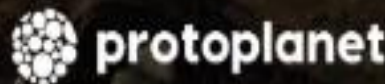
मिशन मित्रा

चर्चा में क्यों?

- 2 से 9 अप्रैल, 2026 तक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)ने मित्रा मिशन का संचालन किया।

MITRA

Mapping of Interoperable Traits and Response Assessment



मुख्य बिन्दु:

- परिचय:** एक एनालॉग स्पेस मिशन मित्रा, इसरो और भारतीय वायु सेना के एयरोस्पेस मेडिसिन संस्थान द्वारा डिज़ाइन किया गया अपनी तरह का पहला टीम व्यवहार अध्ययन है।

- लेह की लगभग 3,500 मीटर की उच्च ऊँचाई पर हाइपोक्सिया, कम तापमान और अलगाव जैसी पर्यावरणीय परिस्थितियाँ अंतरिक्ष उड़ान संचालन के लिए एक प्राकृतिक प्रतिरूप के रूप में मौजूद हैं।
- **पूरा नाम:** मिशन MITRA: Mapping of Interoperable Traits and Response Assessment. (अंतरसंचालनीय लक्षणों की मैपिंग और प्रतिक्रिया मूल्यांकन)
- **शामिल संगठन:** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और भारतीय वायु सेना का एयरोस्पेस मेडिसिन संस्थान (IAM)।
- **उद्देश्य:** उच्च ऊँचाई वाले वातावरण में कार्यरत क्रू और ग्राउंड टीमों की शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और परिचालन संबंधी गतिशीलता का अध्ययन करना।
- **सुविधा प्रबंधन और वैधानिक प्रोटोकॉल:** बेंगलुरु स्थित भारतीय स्टार्टअप मेसर्स प्रोटोप्लेनेट प्राइवेट लिमिटेड सुविधा प्रबंधन और वैधानिक प्रोटोकॉल के लिए जिम्मेदार है।
प्रमुख विशेषताएँ:
- **ग्राउंड-क्रू लिंक:** संचार में होने वाली देरी का वास्तविक समय में परीक्षण और तकनीकी समस्याओं को हल करने में क्रू की सहायता करने में ग्राउंड सपोर्ट की प्रभावशीलता का आकलन।
- **प्राकृतिक समरूप वातावरण:** लेह कम वायुमंडलीय दबाव, अत्यधिक ठंड और चंद्रमा या मंगल की सतहों के समान एक निर्जन परिदृश्य के साथ एक प्राकृतिक प्रयोगशाला प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना : 11 वर्ष पूर्ण

चर्चा में क्यों?

- 8 अप्रैल, 2026 को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY) के 11 वर्ष पूर्ण हो गए हैं।
- वित्त वर्ष 2024-25 में कुल ऋण खातों में से लगभग 60 प्रतिशत महिलाओं और लगभग 21 प्रतिशत नए उद्यमियों के लिए सुनिश्चित करके वित्तीय समावेशन को सुदृढ़ किया गया है।



-:17:-

Daily Current Affairs

Date : 09 April, 2026

UTKARSH
CLASSES

CIVIL
SERVICES



मुख्य बिन्दु:

उपलब्धियाँ:

ऋण वितरण:



PMMY Regional Impact

(Top 10 States Based on Disbursement Amount in FY 2024-25)



Source: Ministry of Finance

-:18:-

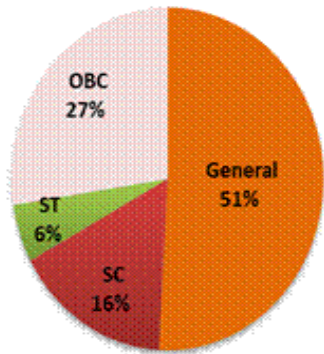


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

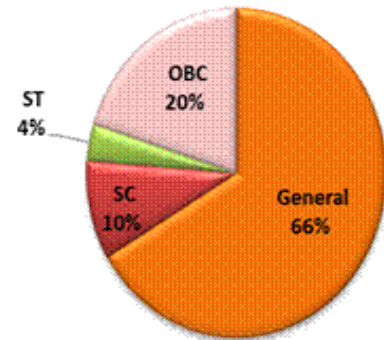
रैंक	राज्य	ऋण वितरण
1 st	उत्तरप्रदेश	58,111 करोड़ रुपये
2 nd	बिहार	54,064 करोड़ रुपये
3 rd	महाराष्ट्र	50,762 करोड़ रुपये

- **लैंगिक विविधता:** महिला ऋण प्राप्तकर्ताओं का कुल ऋण खातों में 59.81 प्रतिशत हिस्सा रहा, जबकि वितरित राशि में उनकी हिस्सेदारी 37.45 प्रतिशत रही।
- **नए उद्यमी:** नए उद्यमियों का कुल ऋण खातों में 21 प्रतिशत हिस्सा रहा और वे कुल वितरित राशि में 30.09 प्रतिशत के हिस्सेदार रहे।
- अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) की सम्मिलित हिस्सेदारी ऋण खातों में 45.52 प्रतिशत और कुल वितरित राशि में 31.77 प्रतिशत रही।

Category wise Share in Terms of Accounts
- as on 27.03.2026



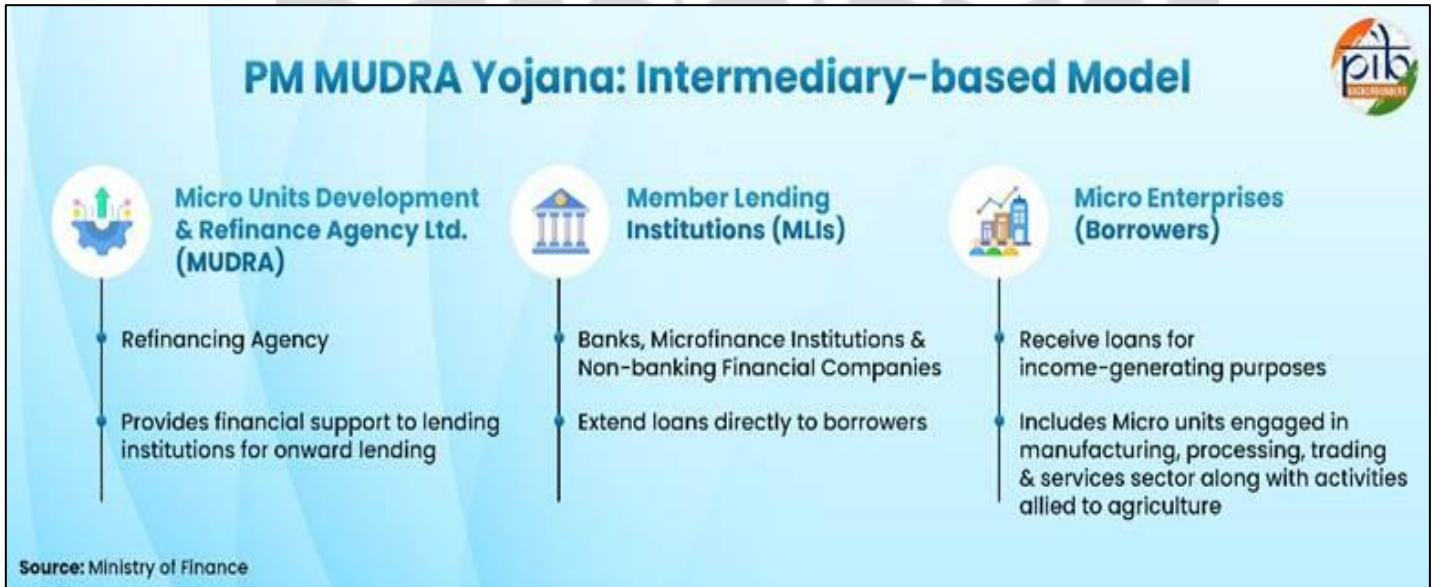
Category wise Share in Terms of Loan Amount - as on 27.03.2026



- **स्वरोजगार सृजन:** विशेष रूप से समाज के वंचित वर्गों, जिनमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (ऋण लाभार्थियों का 51%) और महिलाएँ (ऋण लाभार्थियों का 67%) शामिल हैं, के लिए स्वरोजगार के अवसरों का सृजन किया है।

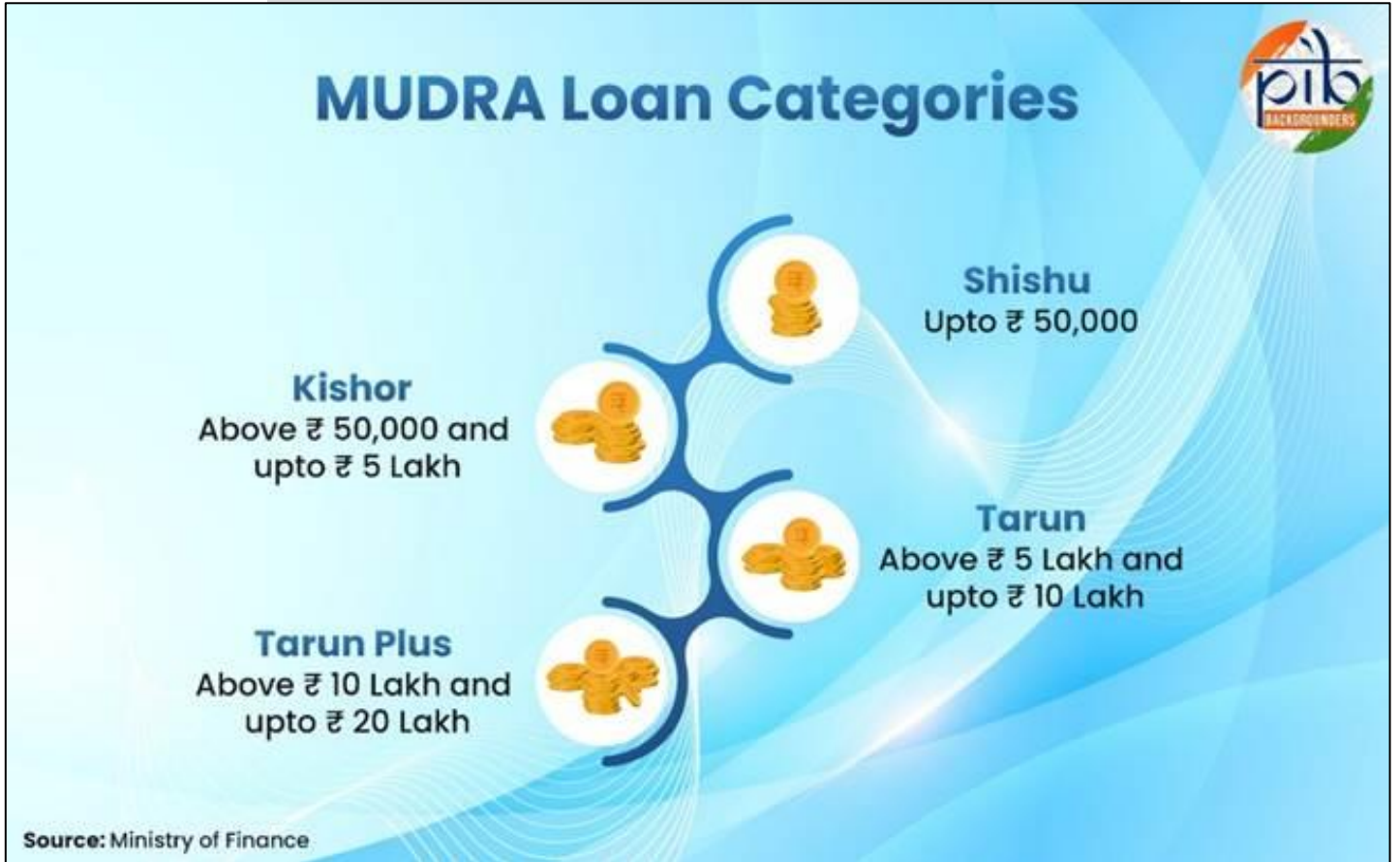
प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY):

- **परिचय:** "गैरवित्तपोषित को वित्तीय सहायता प्रदान करने" के दृष्टिकोण के साथ, यह योजना ऋण तक पहुँच को बेहतर बनाती है और 20 लाख रुपये तक के बिना जमानत के ऋण प्रदान करती है। इसके लाभार्थियों में विनिर्माण, व्यापार, सेवाओं और संबद्ध कृषि गतिविधियों से जुड़े गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि सूक्ष्म और लघु उद्यम शामिल हैं।
- **पूर्ण नाम:** मुद्रा (माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी) योजना।
- **लॉन्च:** 8 अप्रैल, 2015
- **प्रकार:** केन्द्रीय क्षेत्र योजना।
- **नोडल एजेंसी:** वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय।
- **उद्देश्य:** वित्तीय पहुँच में वर्तमान अंतर को कम करना।
- **ढाँचागत संरचना:** एक त्रि-स्तरीय संस्थागत ढाँचे के माध्यम से संचालित होती है, जिसमें माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी लिमिटेड (मुद्रा), सदस्य ऋणदाता संस्थान (MLI) और लाभार्थी (ऋण पाने वाले) शामिल हैं।



- **ऋण संवितरण:** PMMY के अंतर्गत MLI के माध्यम से ऋण प्रदान किए जाते हैं, जिनमें अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (SCB), क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRB), स्मॉल फाइनेंस बैंक (SFB), गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (NBFC) और माइक्रो फाइनेंस संस्थान (MFI) शामिल हैं।

- **विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत ऋण सीमाएँ:** व्यवसाय की आवश्यकताओं के आधार पर आसान ऋण उपलब्ध कराने के लिए, पीएमएमवाई के अंतर्गत ऋणों को चार अलग-अलग श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है-शिशु, किशोर, तरुण और तरुण प्लस (केंद्रीय बजट 2024-25 में बढ़ाई गई)।



- ऋण विनिर्माण, व्यापार और सेवा क्षेत्रों में सावधि वित्तपोषण और कार्यशील पूँजी की जरूरतों को पूरा करते हैं, जिसमें कृषि से संबंधित गतिविधियाँ जैसे मुर्गी पालन, डेयरी और मधुमक्खी पालन आदि शामिल हैं।
- ब्याज दर आरबीआई के दिशानिर्देशों द्वारा निर्धारित की जाती है, जिसमें आसान पुनर्भुगतान शर्तें उपलब्ध हैं।

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

जैविक विविधता भंडारगृह

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (NBA) ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के परामर्श से दो संस्थानों - समुद्री जीव संसाधन एवं पारिस्थितिकी केंद्र (CMLRE) के भावसागर रेफरल केंद्र, कोच्चि और अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (ARI) को जैविक विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 39 के तहत नामित राष्ट्रीय भंडार के रूप में अधिसूचित किया।
- अब तक अधिनियम की धारा 39 के तहत 18 संस्थानों को राष्ट्रीय भंडार के रूप में नामित किया गया है।



-:22:-

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** राष्ट्रीय भंडार एक सरकारी संस्था है, जिसे जैविक संसाधनों के वाउचर नमूनों (भौतिक नमूनों) को सुरक्षित अभिरक्षण में रखने के लिए अधिकृत किया गया है।
- इन भंडारगृहों को जैविक सामग्रियों की सुरक्षित देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, और किसी भी व्यक्ति द्वारा नए जीव-जंतुओं की खोज करने पर उसे नामित भंडारगृह को सूचित करना और संबंधित नमूने जमा करना अनिवार्य है।

रेफरल सेंटर भवसागर (CMLRE, कोच्चि)	MACS सूक्ष्मजीव एवं कवक संग्रह (ARI, पुणे)
नामित: गहरे समुद्र की जैव विविधता के लिए।	नामित: सूक्ष्मजीव और कवक के लिए।
इसमें 3,500 से अधिक वर्गीकरण के आधार पर पहचाने गए और भौगोलिक संदर्भों में दर्ज नमूने रखे गए हैं, जिनमें अकशेरुकी और गहरे समुद्र की मछलियों सहित समुद्री जीवों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।	इसने दुर्लभ और मुश्किल से विकसित होने वाले सूक्ष्मजीवों, जिनमें अवायवीय और चरम जलवायु में रहने वाली प्रजातियाँ भी शामिल हैं, के संरक्षण में विशेष क्षमताएँ विकसित की हैं।

- **नोट:** सतत विकास लक्ष्य (SDG)-14: यह "जलीय जीवन" के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करता है।

जैविक विविधता अधिनियम, 2002:

- **परिचय:** भारत की संसद द्वारा जैविक विविधता सम्मेलन (CBD) के तहत दायित्वों को पूरा करने के लिए अधिनियमित किया गया अधिनियम है।
- **उद्देश्य:** जैविक संसाधनों का संरक्षण, इसके सतत उपयोग का प्रबंधन तथा स्थानीय समुदायों के साथ जैविक संसाधनों के उपयोग और ज्ञान से उत्पन्न लाभों का उचित एवं न्यायसंगत साझाकरण करना।

भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता

चर्चा में क्यों?

- नवीकरणीय ऊर्जा सांख्यिकी, 2026 के अनुसार नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है।



मुख्य बिन्दु:

- अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी द्वारा दिसंबर, 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत इस रैंकिंग में ब्राजील से आगे निकल गया है।

वैश्विक रैंक :

नवीकरणीय ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता (GW)

रैंक	देश	क्षमता
1 st	चीन	2258.02
2 nd	अमरीका	467.92
3 rd	भारत	250.52
4 th	ब्राजील	228.20
5 th	जर्मनी	199.92
6 th	जापान	134.53
7 th	कनाडा	110.51
विश्व:		5149.28

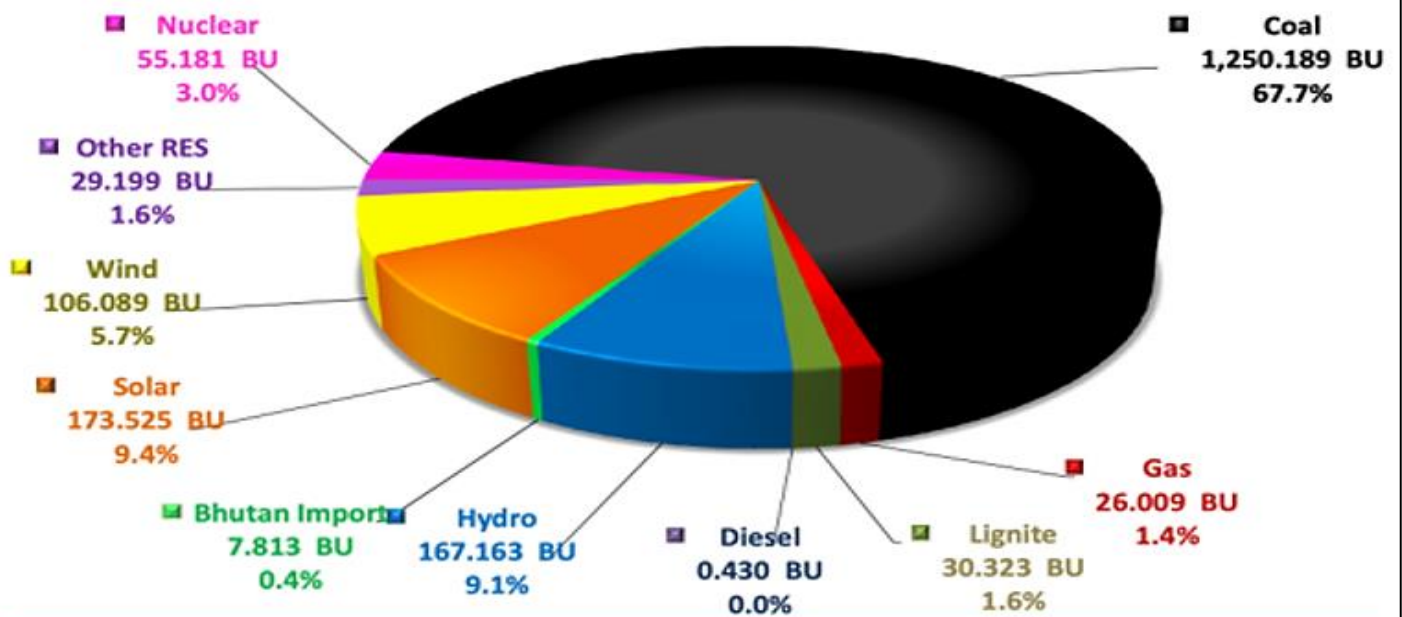
Daily Current Affairs

Date : 09 April, 2026



- **वार्षिक वृद्धि:** भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कुल 55 गीगावाट की गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता वृद्धि हासिल की है।
- नवीकरणीय ऊर्जा ने देश की कुल 203 गीगावाट बिजली माँग का 51.5 प्रतिशत पूरा किया।
- **कुल क्षमता:** 31 मार्च, 2026 तक देश में गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से कुल 283.46 गीगावाट क्षमता (274.68 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा + 8.78 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता) स्थापित की जा चुकी है।

Generation Performance (Fuelwise) During 2025-26 (Upto March 2026)



Total Generation during 2025-26 (Upto March 2026) : 1845.921 BU

Generation Performance during April-March 2026 (Prov.)

Category-wise :	Target Generation during Current Year 2025-26 (Upto March 2026) (BU)	Generation during Current Year 2025-26 (Upto March 2026) * (BU)	Ach. w.r.t Targets (%)	Generation during Previous Year 2024-25 (Upto March 2025) (BU)	Growth w.r.t. Previous Year Generation (%)	% of Total Generation
● Generation from Fossil Fuel :						
Coal	1429.000	1250.189	87.49	1298.052	-3.69	67.7
Gas	37.262	26.009	69.80	31.580	-17.64	1.4
Lignite	37.000	30.323	81.95	32.995	-8.10	1.6
Diesel	0.400	0.430	107.42	0.443	-2.93	0.0
Total (Fossil Fuel) :	1503.662	1306.951	86.92	1363.069	-4.12	70.8

--:25:--

Daily Current Affairs

Date : 09 April, 2026



CIVIL SERVICES

● Generation from Non-Fossil Fuel :

Generation from Renewable Sources (Including Hydro) :

Wind	91.712	106.089	115.68	83.347	27.29	5.7
Solar	152.499	173.525	113.79	144.150	20.38	9.4
BioPower & Others	30.789	29.199	94.84	27.512	6.13	1.6
Total : Solar, Wind & Other RE	275.000	308.813	112.30	255.009	21.10	16.7
Hydro	155.674	167.163	107.38	148.634	12.47	9.1
Bhutan Import	9.472	7.813	82.48	5.484	42.46	0.4
Total RE Generation (Incl. Hydro)	440.146	483.789	109.92	409.127	18.25	26.2
Nuclear	56.592	55.181	97.51	56.681	-2.65	3.0
Total (Non-Fossil Fuel) :	496.738	538.970	108.50	465.808	15.71	29.2

● Total Generation (Fossil Fuel & Non-Fossil Fuel) :

Total Generation :	2,000.400	1,845.921	92.28	1,828.877	0.93	100.0
---------------------------	------------------	------------------	--------------	------------------	-------------	--------------

274.68 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा

ऊर्जा	क्षमता
सौर ऊर्जा	150.26 गीगावाट
पवन ऊर्जा	56.09 गीगावाट
जैव ऊर्जा	11.75 गीगावाट
लघु जल विद्युत	5.17 गीगावाट
वृहद जल विद्युत	51.41 गीगावाट

- कुल उत्पादन में गैर-जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी 2025-26 में 29.2 प्रतिशत (538.97 बुशेल) तक पहुँच गई।
- 2025-26 में गैर-जीवाश्म ऊर्जा उत्पादन क्षमता में 55.29 गीगावाट की वृद्धि हुई है, जो किसी भी वर्ष में हुई सबसे अधिक वृद्धि है। (इससे पहले सबसे अधिक वृद्धि 2024-25 के दौरान 29.5 गीगावाट थी)।

--:26:--



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- भारत ने पेरिस समझौते के लिए अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित अंशदान (एनडीसी) के तहत निर्धारित 2030 के लक्ष्य से पाँच साल पहले, जून 2025 में गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से अपनी संचयी विद्युत स्थापित क्षमता का 50 प्रतिशत हासिल कर लिया।
- COP-26 में माननीय प्रधानमंत्री की घोषणा के अनुरूप, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म स्रोतों से 500 गीगावाट स्थापित बिजली क्षमता प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहा है।

सरकार के प्रयास:

- **GST छूट:** नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों और उनके निर्माण में उपयोग होने वाले पुर्जों पर GST की दर 22.09.2025 से 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है।
- **BCD छूट:** बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए लिथियम-आयन सेल निर्माण हेतु पूंजीगत वस्तुओं पर BCD छूट का विस्तार किया गया है (2 फरवरी, 2026 से 31 मार्च, 2028 तक प्रभावी)।
- **नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण आयात निगरानी प्रणाली (REEIMS) पोर्टल:** आपूर्ति श्रृंखला में अधिक पारदर्शिता, नियामक अनुपालन और आयातित घटकों के दुरुपयोग की रोकथाम हेतु अक्टूबर, 2025 में लॉन्च किया गया।
- **राष्ट्रीय भूतापीय ऊर्जा नीति, 2025:** भूतापीय ऊर्जा पर राष्ट्रीय नीति सितंबर, 2025 में जारी की गई थी, जो देश भर में भूतापीय संसाधनों की खोज, विकास और वाणिज्यिक उपयोग में तेजी लाने के लिए एक व्यापक रणनीतिक ढांचा प्रदान करती है।
- **जैव-ऊर्जा मित्र कार्यक्रम:** मंत्रालय ने मानव संसाधन विकास (HRD) ढाँचे के तहत जैव-ऊर्जा मित्र कार्यक्रम का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया है।

Daily Current Affairs

Date : 09 April, 2026



- **ग्रीन हाइड्रोजन हब:** तीन प्रमुख बंदरगाहों - कांडला, पारादीप और तूतीकोरिन - को उत्पादन और निर्यात केंद्रों के रूप में कार्य करने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन हब के रूप में नामित किया गया है।
- **प्रमाणन योजना:** भारत की ग्रीन हाइड्रोजन प्रमाणन योजना को आधिकारिक तौर पर अप्रैल 2025 में लॉन्च किया गया था।
- **राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (NGHM):** मंत्रिमंडल द्वारा वर्ष 2029-30 तक 19,744 करोड़ रुपये के प्रारंभिक परिव्यय के साथ मंजूरी दी गई। मिशन का उद्देश्य 2030 तक प्रति वर्ष कम से कम 5 मिलियन मीट्रिक टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है।
- **ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर कार्यक्रम:** नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर कार्यक्रम के तहत, सात राज्यों ने ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर के पहले चरण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिससे नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण के लिए ग्रिड को मजबूत किया गया है।
- **हाइड्रोजन घाटियां:** चार हाइड्रोजन घाटी नवाचार समूहों (ओडिशा, केरल, पुणे और जेएचवी) को कुल 170 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई।

--:28:--

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी ⚡

अंतरिक्ष यान मिशन संचालन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, SMOPS, 2026

📢 चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, अंतरिक्ष यान मिशन संचालन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, SMOPS, 2026 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा संस्करण आयोजित किया जा रहा है।



📌 मुख्य बिन्दु:

- आयोजन: 8 से 10 अप्रैल, 2026 तक बेंगलुरु, भारत में आयोजित किया जा रहा है।
- सम्मेलन की थीम: "स्मार्ट और सतत अंतरिक्ष मिशन प्रबंधन के लिए अभिनव संचालन - अगली पीढ़ी"।

--:29:--

Daily Current Affairs

Date : 09 April, 2026



- **आयोजक:** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ़ इंडिया (ASI) और इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ़ एस्ट्रोनॉटिक्स (IAA)।
- **उद्देश्य:** ऑपरेशन मैनेजमेंट, एडवांस्ड मिशन डिज़ाइन, ऑटोमेशन, बड़े सैटेलाइट समूहों का मैनेजमेंट, मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन, स्पेस रोबोटिक्स, अंतरिक्ष नीति, चंद्रमा और ग्रहों के बीच खोज, अंतरिक्ष प्रणालियों में साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्राउंड स्टेशन ऑपरेशन में मौजूदा और भविष्य के रुझान आदि से जुड़े विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करना।
- **सम्मेलन में शामिल प्रमुख विषय:**
 1. मिशन संचालन: डिजाइन को उपलब्धि में बदलना
 2. वर्तमान उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं का मार्गदर्शन करना
 3. मिशन डिजाइन और संचालन
 4. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स
 5. ग्राउंड सेगमेंट और तारामंडल
 6. मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम, अंतरग्रहीय मिशन और भू-खंड
 7. अवसरों की कक्षाएँ: नई अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में योगदान
 8. मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की चुनौतियाँ
 9. ISS पर रोबोटिक मिशन संचालन

--:30:--

अभ्यास 'साइक्लोन-IV'

चर्चा में क्यों?

- भारतीय सेना का दस्ता भारत-मिस्र संयुक्त विशेष बल अभ्यास 'साइक्लोन-IV' के चौथे संस्करण में भाग लेने के लिए मिस्र खाना हो गया है।



Daily Current Affairs

Date : 09 April, 2026



मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन:** यह संयुक्त सैन्य अभ्यास 9 से 17 अप्रैल, 2026 तक मिस्र के अंशास क्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है।
- **मुख्य उद्देश्य:** विशेष अभियानों में सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान के माध्यम से संयुक्त मिशन नियोजन क्षमताओं को सुदृढ़ करना तथा दोनों सेनाओं के मध्य आपसी तालमेल को और बेहतर बनाना।
- **वार्षिक अभ्यास:** भारत और मिस्र में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है।

संस्करण	आयोजन
साइक्लोन-I	जनवरी, 2023 में जैसलमेर, राजस्थान (भारत)
साइक्लोन-II	जनवरी, 2024 को अंशास (मिस्र)
साइक्लोन-III	फरवरी, 2025 को महाजन फील्ड फायरिंग रेंज (राजस्थान)

--:32:--

INS सुदर्शिनी और एस्केल ए सेते उत्सव, 2026

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारतीय INS सुदर्शिनी ने सेते बंदरगाह पर आयोजित एस्केल ए सेते उत्सव, 2026 में भाग लिया।



मुख्य बिन्दु:

- परिचय:** यह द्विवार्षिक उत्सव भूमध्य सागर में सबसे बड़े समुद्री समारोहों में से एक है, जो वैश्विक समुद्री विरासत का जश्न मनाता है।
- आयोजन:** 31 मार्च से 6 अप्रैल, 2026 तक फ्रांस के सेते बंदरगाह पर।

--:33:--

Daily Current Affairs

Date : 09 April, 2026



- इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण हेरिटेज सिटी परेड में भारतीय नौसेना की परेड टुकड़ी की भागीदारी थी, जो फ्रांसीसी नौसेना की 400वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी।
- सुदर्शिनी रोइंग टीम ने ज्यूक्स मैरीटाइम्स में कांस्य पदक जीता।
- **शुरुआत:** वर्ष 2010
- **वर्तमान में फ्रांस में भारतीय राजदूत:** संजीव सिंगला।

INS सुदर्शिनी:

- INS सुदर्शिनी भारतीय नौसेना का दूसरा सेल प्रशिक्षण पोत है (पहला INS तरंगिनी)
- INS सुदर्शिनी भारतीय नौसेना का एक प्रमुख पाल प्रशिक्षण पोत (Sail Training Ship-STS) है, जो वर्तमान में 'लोकायन-26' नामक एक 10 महीने के ऐतिहासिक ट्रांस-ओशनिक अभियान पर है। जो 20 जनवरी, 2026 को कोच्चि से शुरू होकर 22,000+ समुद्री मील की यात्रा में 13 देशों के 18 बंदरगाहों का दौरा करेगा।

--:34:--